आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... एकता गौर ....

आत्मजा श्री .... कक्षा .... बी.ए. II ....

ने .... हिन्दी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... प्रश्नावली ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... तृतीय .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rani 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... ललिता वर्मा .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी. ए. II .....

ने ..... हिन्दी ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... प्रश्नावली .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 14.09.2021

Rajia Rai 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... असमा ....

आत्मजा श्री .... मोहम्मद सगीर .... कक्षा .... एम.ए II ....

ने .... हिन्दी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... भाषण ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... द्वितीय .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rai 24/03/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती गौरी दीक्षित

आत्मजा श्री नीरज कुमार दीक्षित कक्षा एम. ए. II

ने हिन्दी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित भाषण

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rai 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती मोहिनी वर्मा

आत्मजा श्री ..... कक्षा बी.ए. III

ने हिन्दी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित काव्य पाठ

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rai 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... गौरी दीक्षित ....

आत्मजा श्री .... नीरज कुमार दीक्षित .... कक्षा .... एम. ए. II ....

ने .... हिन्दी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... काव्य पाठ ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... द्वितीय .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Ranjana Rai 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... शिवांगी वर्मा ....

आत्मजा श्री .... कक्षा ..... बी.ए. III .....

ने .... हिन्दी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... पोस्टर ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... प्रथम .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rai 24/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती मानसी शर्मा

आत्मजा श्री ..... कक्षा बी.ए. III

ने हिन्दी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक :

Pooja Rai 14/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती गौरी दीक्षित

आत्मजा श्री नीरज कुमार कक्षा एम॰ए॰ II

ने हिन्दी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित प्रश्नावली

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : Rajia Rai 24/09/2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... शिवांगी वर्मा .....

आत्मजा श्री ..... बिपिन वर्मा ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ तृतीय वर्ष

ने ..... चित्रकला ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... पोर्ट्रेट .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 23/01/2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ...... अन्नू वर्मा ......

आत्मजा श्री ...... कक्षा ...... एम॰ ए॰ उत्तरार्द्ध

ने ...... संस्कृत ...... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ...... निबंध ......

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ...... द्वितीय ...... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 21/02/2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... गौरी दीक्षित .....

आत्मजा श्री ..... नीरज कुमार दीक्षित ..... कक्षा ..... एम० ए० उत्तरार्द्ध .....

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... वाद - विवाद .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 24.11.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... गौरी दीक्षित .....

आत्मजा श्री ..... नीरज कुमार दीक्षित ..... कक्षा ..... एम० ए० उत्तरार्द्ध .....

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... भाषण .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 23.11.21

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... असमा .....

आत्मजा श्री ..... मोहम्मद सगीर ..... कक्षा ..... एम॰ ए॰ उत्तरार्द्ध .....

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... भाषण .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 23.11.21

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... निशा रजा .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी॰ ए॰ प्रथम वर्ष

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... अंग्रेजी निबंध .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 16.11.2021

Aggarwal

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती साक्षी पचौरी

आत्मजा श्री .... कक्षा बी॰ कॉम॰ प्रथम वर्ष

ने साहित्यिक विभाग / क्लब द्वारा आयोजित अंग्रेजी निबंध

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 16.11.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... अरीबा .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी० ए० प्रथम वर्ष

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... हिन्दी निबंध .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... तृतीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 16.11.2021

Agrawal

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... अनन्या वार्ष्णेय .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी॰ कॉम॰ प्रथम वर्ष

ने ..... साहित्यिक ..... ~~विभाग~~ / क्लब द्वारा आयोजित ..... हिन्दी निबंध .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 16.11.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... समीक्षा गुप्ता ....

आत्मजा श्री .... विजय कुमार गुप्ता .... कक्षा .... बी.ए. II ....

ने .... अंग्रेजी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... क्विज़ ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... तृतीय .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 15.2.2022

agarwal

[signature]

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... प्रियांशी वर्मा .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ तृतीय वर्ष .....

ने ..... संस्कृत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... निबंध .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... तृतीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 21/02/2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती काजल ओझा

आत्मजा श्री शिव प्रकाश ओझा कक्षा बी. ए III

ने अंग्रेजी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित क्विज

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 15. 2. 2022

Agrawal

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ज्योति गोला

आत्मजा श्री अशोक गोला कक्षा बी.ए. III

ने अंग्रेजी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित क्विज़

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 15.2.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... बबिता सैनी ....

आत्मजा श्री .... कक्षा .... एम. ए I ....

ने .... अंग्रेजी .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... क्विज ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... प्रथम .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 15.02.2022

AAgrawal

[signature]

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... प्रीति .....

आत्मजा श्री ..... राधेश्याम ..... कक्षा ..... एम. ए. I .....

ने ..... अंग्रेजी ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... पीपीटी मेकिंग ...

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 26.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ...... बबिता सैनी ......

आत्मजा श्री ...... भूदेव कुमार सैनी ...... कक्षा ...... एम.ए I ......

ने ...... अंग्रेजी ...... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ...... पीपीटी मेकिंग ......

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ...... द्वितीय ...... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 26.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ज्योति गोला

आत्मजा श्री अशोक गोला कक्षा बी.ए III

ने अंग्रेजी विभाग / ~~क्लब~~ द्वारा आयोजित पीपीटी मेकिंग

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 26.2.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती नैना गौर

आत्मजा श्री ..... कक्षा एम.ए. III

ने अंग्रेजी विभाग / क्लब द्वारा आयोजित पीपीटी मेकिंग

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 26.2.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... असमा ....

आत्मजा श्री .... मोहम्मद सगीर .... कक्षा .... एम० ए० उत्तरार्द्ध

ने .... समाजशास्त्र .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... भाषण ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... प्रथम .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 04.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... मानसी खण्डेलवाल .....

आत्मजा श्री ..... चन्द्रशेखर ..... कक्षा ..... एम.ए. II .....

ने ..... समाजशास्त्र ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... भाषण .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 4.2.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती टीना गुप्ता

आत्मजा श्री विजय कुमार कक्षा एम. ए. II

ने समाज शास्त्र विभाग / क्लब द्वारा आयोजित भाषण

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 04.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ...... प्रियंका ......

आत्मजा श्री ...... कृष्णा ...... कक्षा ...... बी.एस.सी II

ने ...... रसायन विज्ञान ...... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ...... विज्ञान दिवस-चार्ट ......

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ...... तृतीय ...... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 28.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती शिवांगी शर्मा

आत्मजा श्री ..... कक्षा एम.ए. II

ने समाजशास्त्र विभाग / क्लब द्वारा आयोजित भाषण

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 4.2.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती नन्दिनी शर्मा

आत्मजा श्री अरविन्द शर्मा कक्षा B.Sc. III

ने रसायन विज्ञान विभाग / क्लब द्वारा आयोजित विज्ञान दिवस चार्ट

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 28.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती प्रियांशी वर्मा

आत्मजा श्री विजय वीर कक्षा बी. एस. सी.

ने रसायन विज्ञान विभाग / क्लब द्वारा आयोजित विज्ञान दिवस चार्ट

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 28.02.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती मोनिका

आत्मजा श्री भेम सिंह कक्षा बी.एस.सी. II

ने रसायन विज्ञान विभाग / क्लब द्वारा आयोजित विज्ञान दिवस चार्ट

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 28.02.2022

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... चेष्टा सोनी .....

आत्मजा श्री ..... मुकेश ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ प्रथम वर्ष ...

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... लोकनृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... तृतीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 8.12.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... संजना .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा .....

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... लोक नृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 8.12.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती अनुराधा मिश्रा

आत्मजा श्री योगेन्द्र मिश्रा कक्षा बी॰ ए॰ प्रथम वर्ष

ने संगीत विभाग / क्लब द्वारा आयोजित भजन

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 7.12.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... गौरी दीक्षित .....

आत्मजा श्री ..... नीरज कुमार दीक्षित ..... कक्षा ..... एम०ए० उत्तरार्द्ध .....

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... लोक नृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 8.12.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती .... मयूरी माथुर ....

आत्मजा श्री .... राधा मोहन माथुर .... कक्षा .... बी०ए० तृतीय वर्ष

ने .... संगीत .... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित .... भजन ....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं .... द्वितीय .... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 7.12.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... नन्दिनी द्विवेदी .....

आत्मजा श्री ..... देवेन्द्र कुमार द्विवेदी ..... कक्षा ..... बी॰ एस॰ सी॰ प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... भजन .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 7. 12. 2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... गौरी दीक्षित .....

आत्मजा श्री ..... नीरज कुमार दीक्षित ..... कक्षा ..... एम० ए० उत्तरार्द्ध .....

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... भजन .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 7.12.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ऋचा वर्मा

आत्मजा श्री ..... कक्षा बी॰ए॰ प्रथम वर्ष

ने संगीत विभाग / क्लब द्वारा आयोजित नृत्य

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 27.10.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... दीक्षा सैनी .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी० ए० प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... नृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 27. 10. 2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... हर्षिता .....

आत्मजा श्री ..... कक्षा ..... बी॰ कॉम॰ प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... नृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 27. 10. 2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... चेष्टा सोनी .....

आत्मजा श्री ..... सुकेश ..... कक्षा ..... बी॰ एः प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... नृत्य .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 27.10.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती मधुरी माथुर

आत्मजा श्री राधा मोहन माथुर कक्षा बी०ए० तृतीय वर्ष

ने संगीत विभाग / क्लब द्वारा आयोजित गायन

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 29.10.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... किशोरी अवस्थी .....

आत्मजा श्री ..... अमरनाथ ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ प्रथम वर्ष ...

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... गायन .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... तृतीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 29.10.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... अनुराधा मिश्रा .....

आत्मजा श्री ..... योगेन्द्र ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... गायन .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 29.10.2021

संध्या

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... नन्दिनी द्विवेदी .....

आत्मजा श्री ..... देवेन्द्र कुमार ..... कक्षा ..... बी॰ एस॰ सी॰ प्रथम वर्ष

ने ..... संगीत ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... गायन प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... प्रथम ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 29.10.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ज्योति गोला

आत्मजा श्री लक्ष्मण गोला कक्षा बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष

ने चित्रकला विभाग / क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर (ऊर्जा संरक्षण)

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 30.11.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती नीलम गौड़

आत्मजा श्री ओम प्रकाश गौड़ कक्षा बी० ए० प्रथम वर्ष

ने चित्रकला विभाग / क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर (ऊर्जा संरक्षण)

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 30. 11. 2021

संध्या

[illegible]

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ललिता वर्मा

आत्मजा श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा कक्षा बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष

ने चित्रकला विभाग / क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर (ऊर्जा संरक्षण)

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 30.11.2021

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

R.C.A. GIRLS' (P.G.) COLLEGE MATHURA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... वैष्णवी .....

आत्मजा श्री ..... राजेश कुमार ..... कक्षा ..... बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष

ने ..... चित्रकला ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... पोर्ट्रेट .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... तृतीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 23.01.2022

आर. सी. ए. बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती ..... ज्योति गौला .....

आत्मजा श्री ..... लक्ष्मण गौला ..... कक्षा .... बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष

ने ..... चित्रकला ..... विभाग / क्लब द्वारा आयोजित ..... पोर्ट्रेट .....

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं ..... द्वितीय ..... स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 23.01.2022

2.2.1 - The institution assesses the learning levels of the students and organizes special Programmes for advanced learners and slow learners.

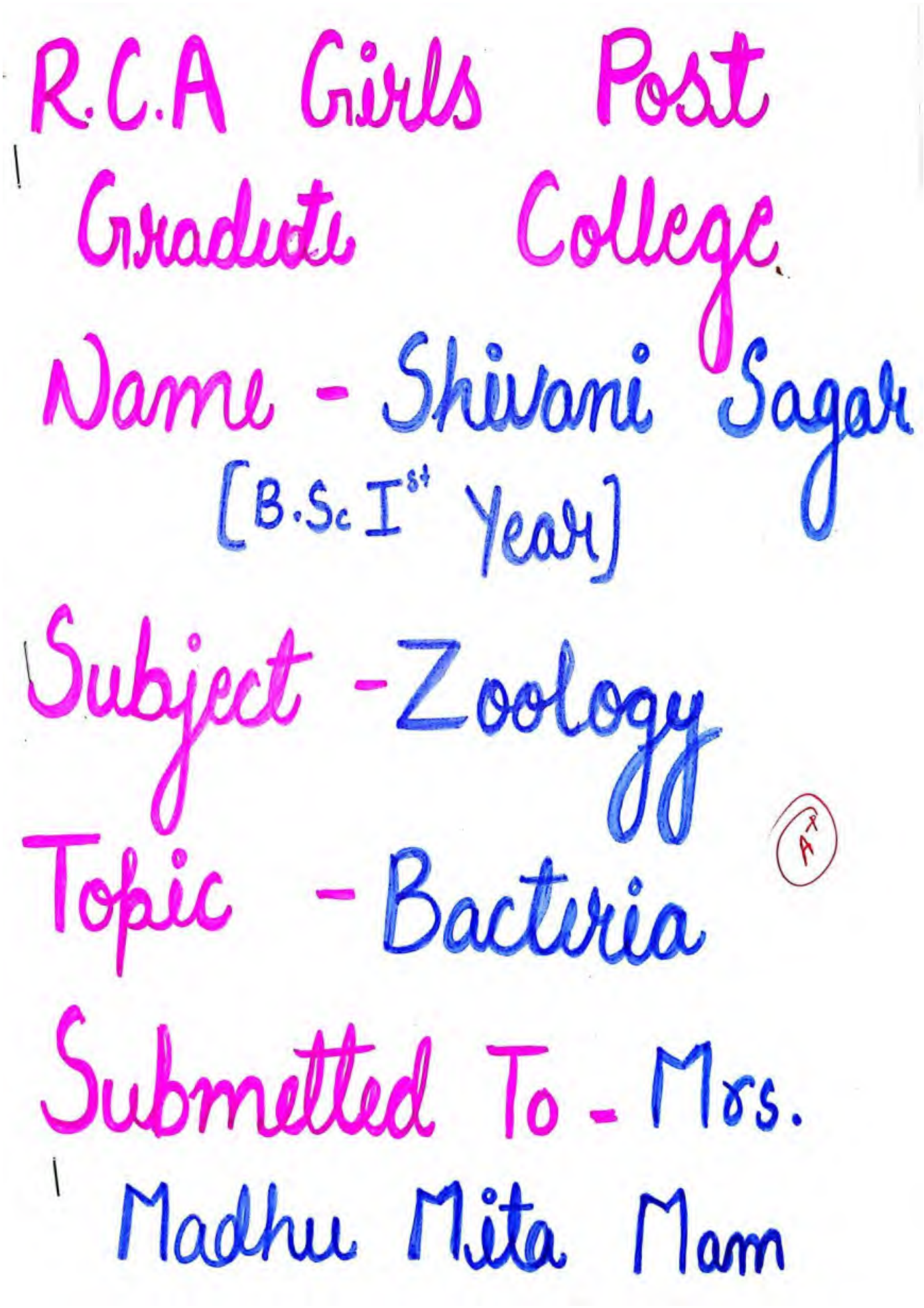

Bacteria

बैक्टीरिया प्रोकैरियोटिक जीव है जो सभी स्थानो पर पाए जाते है इनमे से अधिकतर स्वतंत्र जीवन जीने वाले है। बैक्टीरिया अत्यधिक ठंड (-15°C), अत्यधिक गर्मी (70-100°C), अत्यधिक खारा पानी (47% नमक का घोल), अत्यन्त अम्लीय (PH=3) और क्षारीय स्थिति (PH = 12.0) और अत्यधिक दबाव (सामान्य वायुमण्डलीय दबाव (सामान्य वायुमण्डलीय दबाव का 1200 गुना) कही भी रह सकते है जीवाणु पोषक चक्रण (नाइट्रोजन चक्र, फास्फोरस चक्र, सल्फर चक्र आदि) मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है जीवाणु मलजल उपचार (Sewage treatment) और मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है जीवाणु हमारे शरीर मे लाखो बैक्टीरिया रहते है उनमे से ज्यादतार आंत और त्वचा मे होते है इनमे से कोई लाभप्रद अथवा हानिरहित प्रजातियाँ है दूसरी ओर कई जीवाणु प्रजातियां हैजा एंथ्रेक्स लेग और तपेदिक जैसी घातक बीमारियो के कारण बनाती है

Shape and size :-

आमतौर पर बैक्टीरिया गोलाकार कोकस, रॉड के आकार (बैसिलस), सर्पिल या तन्तुमय आकार के होते है कुछ बैक्टीरिया अन्य आकार जैसे अल्पविराम (वाइब्रियो), पैचदार या मुग्दर के आकार के होते है बैक्टीरिया एक सुकेन्द्रकी कोशिका से 10 गुना

छोटे होते हैं और इनकी लम्बाई 0.5-5 माइक्रोमीटर होती है

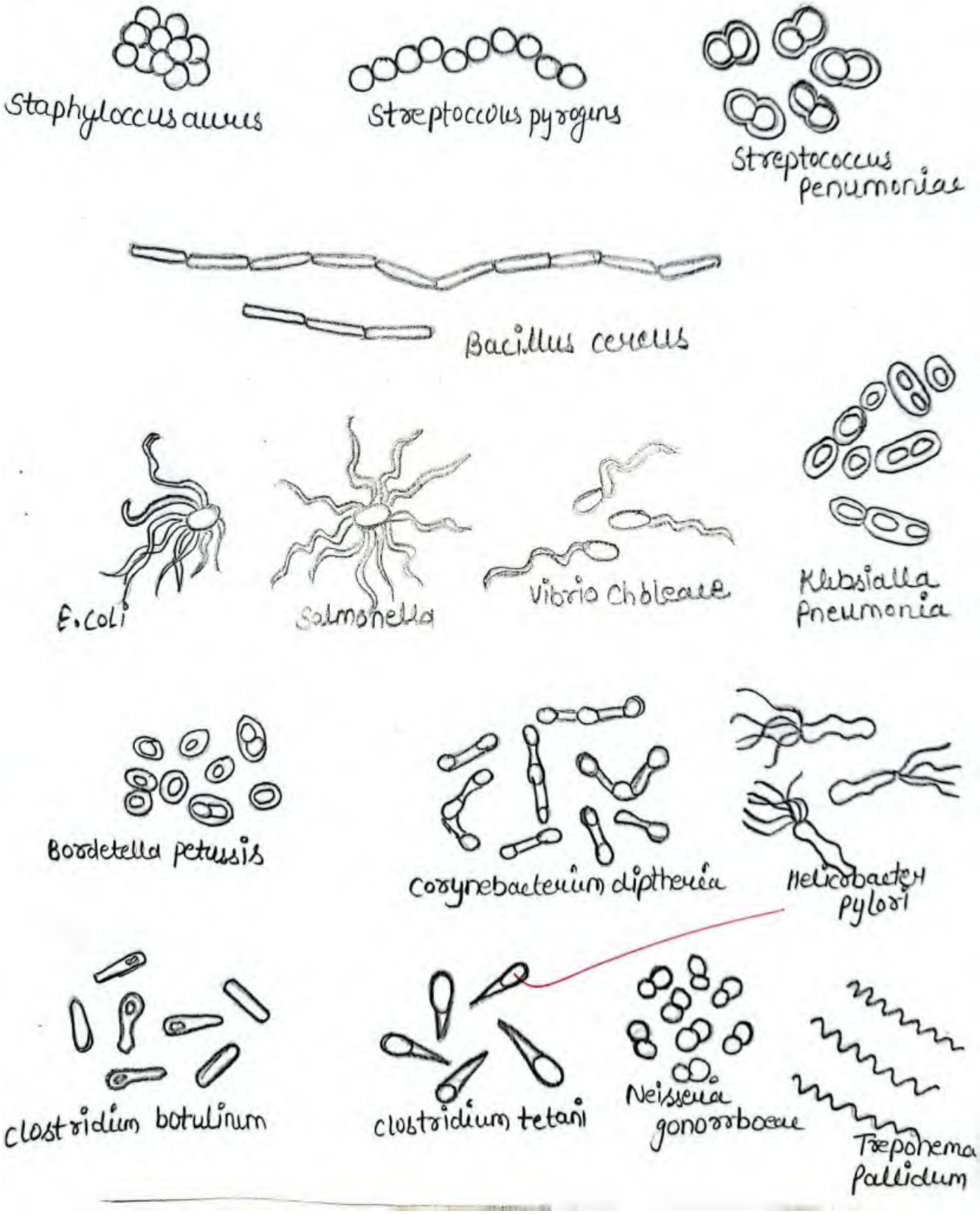

Bacteria Cell :-

जीवाणु कोशिका कोशिका भित्ति (cell wall) से घिरी होती है। आनुवंशिक सामग्री गोलाकार DNA अणु के रूप में होती है। DNA अणु मीसोसोम नामक कोशिका झिल्ली के अंतर्वलन (infolding) से जुड़े होते हैं। जीवाणु कोशिका के अपने राइबोसोम होते हैं। कुछ जीवाणुओं में गति के लिए (Flagella) होती है। कई जीवाणु कोशिकाओं में बाल जैसे उभार होते हैं जिन्हें पिली कहा जाता है। पिली जीवाणु संयुग्मन में भूमिका है। पिली एक जीवाणु कोशिका की पोषी कोशिका से बांधने की क्षमता को बढ़ाती है।

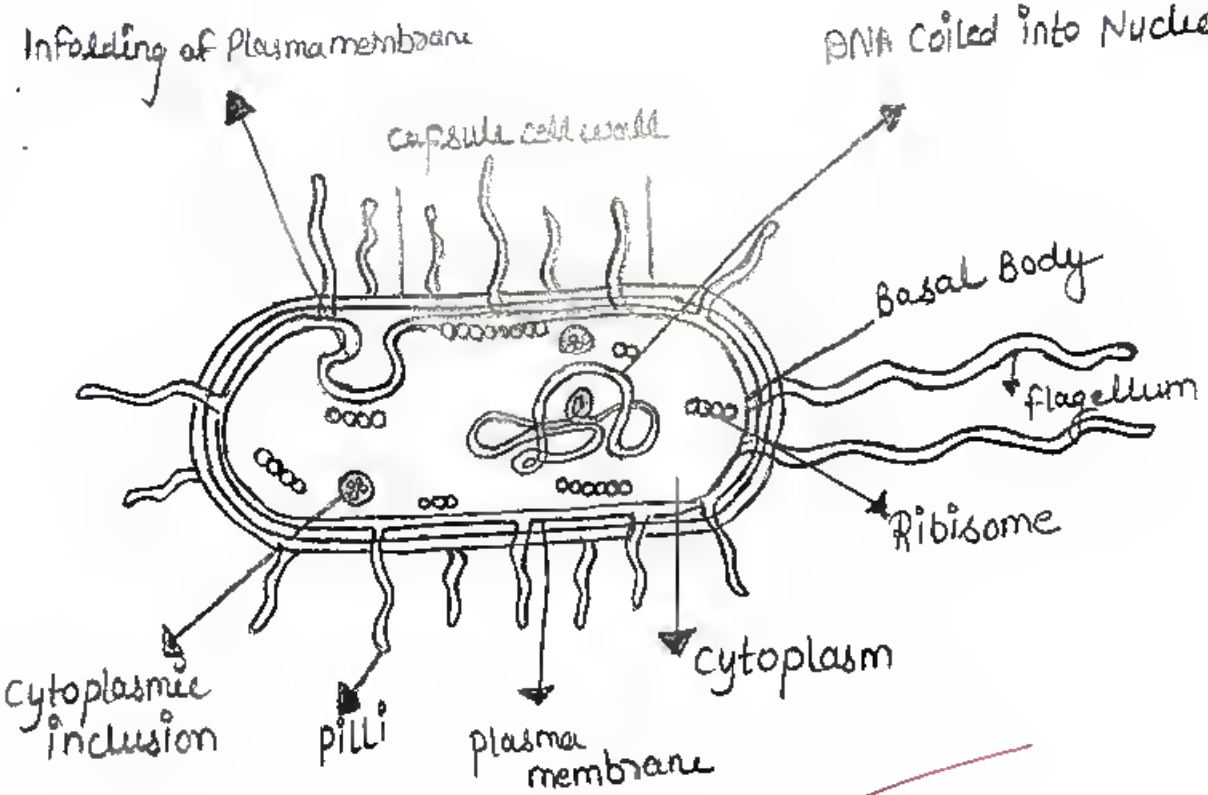

Pathogenic Bacteria :—

अनुमान लगाया जाता है की बैक्टीरिया की लगभग 100 प्रजातियां मनुष्यों के लिए रोगजनक है रोगजनक बैक्टिरिया शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने और कोशिकाओं को संक्रमित करने में सक्षम होता है स्ट्रेप्टोकोकस जैसे कुछ बैक्टीरिया त्वचा के सामान्य सूक्ष्मजीव है लेकिन त्वचा में घाव होने पर घातक संक्रमण कर सकते है बैक्टीरिया पोषक कोशिकाओं को अलग-अलग तरीको से नुकसान पहुंचाते है —

1. प्रत्यक्ष क्षति — कुछ बैक्टीरियों के चयापचय उत्पाद सीधे मानव शरीर के ऊतक को नुकसान पहुँचाते है उदाहरण - दंत क्षय, दन्त पट्टिका में रहने वाले बैक्टीरिया द्वारा उत्पन्न अम्ल के कारण होता है

2. अप्रत्यक्ष क्षति — कुछ बैक्टीरिया अत्यधिक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित करके अप्रत्यक्ष क्षति का कारण बन सकते है

3. विषाक्त पदार्थ — विषाक्त पदार्थ अन्तर्जीवि विष अथवा बाह्यजीवि विष हो सकते है

अन्तर्जीवि विष लिपोपॉलासेकेराइड होते है। जो नाइसीरिया और हीमोफिलस जैसे ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया की बाहरी झिल्ली में होते है यह बैक्टीरिया में मरने पर शरीर में मुक्त हो जाते है इनके कारण बुखार (पाइरोजेन) ल्यूकोपेनिया रक्त कोशिकाओं फेफड़े और वृक्क को नुकसान हो सकता है

2- बाह्यस्यवीव विष बैक्टीरिया द्वारा सक्रिय रूप से स्त्रावित होते यह कोशिकीय चयापचय को बाधित करते है और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते है सबसे प्रसिद्ध एक्सोटॉक्सिन क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम द्वारा उत्पादित बोटुलिसन, विब्रियो कोलेरे द्वारा उत्पादित हैजा विष, बोर्डेटेला पर्टुसिस द्वारा निर्मित पर्टुसिस विष कोरीनेबैक्टीरियम डिप्थीरिया द्वारा निर्मित डिप्थीरिया विष और क्लोस्ट्रीडियम टेटनी द्वारा निर्मित टेटनोस्पासिन विष है

Tuberculosis

मनुष्य जाति के लिए (टी॰बी॰) सम्भवत : सबसे घातक संक्रामक रोग है अनुमान है की पिछले 200 वर्षो मे अकेले (T.V) के कारण 100 करोड (10,00,00,000) से अधिक लोगो की जान गई है एंटीबायोटिक दवाओ के आगमन के साथ, यह लगा की तपेदिक पर काबू पा लिया जाएगा, हालांकि स्ट्रेप्टोमाइसिन की खोज के 75 से अधिक वर्षो के बाद भी, तपेदिक अभि भी एक बड़ी चिन्ता का विषय बना हुआ है संदेह के विश्व की कुल आबादी के एक तिहाई से अधिक लोगो मे तपेदिक बैक्टीरिया निष्क्रिय अवस्था मे उपस्थित है एड्स खराब पोषण, कीमोथेरेपी आदि के कारण प्रतिरक्षा के कमजोर होने पर तपेदिक की बैक्टीरिया पुन : सक्रिय हो जाता है अकेले भारत मे 2019 मे (T.V) के 24 लाख से अधिक मामले थे जिनमें से 21.6 लाख नए या दोबारा संक्रमण के कारण थे इनमे से लगभग 1,25,000 मामले बहुऔषधि प्रतिरोधी (T.V) (multidrug resistant TB) के है

Disease Transmission

T.B संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने, बोलने या थूकने पर निकलने वाली संक्रमक बूंदो और एरोसोल से फैलता है श्वास मार्ग मे केवल 10 बैक्टीरिया का आना जाना एक स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित करने के लिए पर्याप्त है माइकोबैक्टीरिया बोविस मवेशियो मे T.B का कारण है और दूध के माध्यम से मनुष्यो को संक्रमित कर सकता है दूध के पाश्चराइजेशन ने संक्रमण के इस मार्ग को बहुत कम कर दिया है।

Symptoms

T.B मे आमतौर पर फेफड़ो (फुफ्फुसीय तपेदिक) मे संक्रमण होता है मरीजो को सीने मे दर्द, खांसी, थूक मे खून और फेफड़ो के ऊपरी हिस्से मे (Scarring) की शिकायत होती है कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगो मे (Extrapulmonary) TB अधिक आम है इसमे केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र, लसीका प्रणाली मूत्रजननांगी प्रणाली, हड्डियो और जोड़ो जैसे अन्य अंग शामिल है यदि शरीर मे कई, स्थानो पर छोटे-छोटे संक्रमक बिन्दु हो, तो इसे मिलिअरी T.B कहा जाता है

Diagnosis

तपेदिक के निदान के लिए मैंटौक्स परीक्षण किया जाता है। इस परीक्षण में तपेदिक बैक्टीरिया के शुद्ध प्रोटीन को त्वचा के नीचे इंजेक्ट करते हैं। तपेदिक से संक्रमित व्यक्ति की त्वचा में इन्जेक्शन के परिणामस्वरूप प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। परीक्षण को ट्यूबरकुलिन संवेदनशीलता परीक्षण या मिरवेट परीक्षण भी कहा जाता है। फेफड़ों में संक्रमण की पहचान करने के लिए छाती का एक्स-रे करते हैं।

Vaccine

TB की पहला टीका अल्बर्ट कैलमेट और कैमिली गुएरिन ने विकसित किया था उन्होंने माइक्रोबैक्टीरिया बोविस की एक संवर्धित, गैर-विषाणु जनक किस्म का प्रयोग किया। उनके टीके को बैसिलि कैलमेट-गुएरिन या बीसीजी के नाम से जाना जाता बीसीजी टीकाकरण की अपनी सीमाएँ यह टीबी की जटिलताओं को कम करता है लेकिन तपेदिक को नहीं रोकता है, खासकर कुपोषित बच्चों में। टीकाकरण से लगभग 20% बच्चे संक्रमित नहीं होते हैं और 40% में संक्रमण के बाद TB विकसित नहीं होता है

Treatment

1944 में, सेलमैन वक्समैन ने स्ट्रेप्टोमाइसीस ग्रिसियस से स्ट्रेप्टोमाइसीन की खोज की स्ट्रेप्टोमाइसीन पहला एंटीबायोटिक था जो T.V के खिलाफ प्रभावी था T.B का इलाज ड्रग एंटीबायोटिक्स और अन्य दवाओं जैसे आइसोनियाजिड, रिफैम्पिसिन पाइरिन आमाइड और एथमब्यूटोल के संयोजन से किया जाता है एंटीबायोटिक दवाओं के अन्धाधुन्ध और अनियमित उपयोग के कारण बहुऔषध प्रतिरोधी T.B (Multidrug resistant TB - MDR - TB) का उदय हुआ है

06/08/2021

English

Assignment

NAME : Komal Verma

CLASS : B.A. (Ist Year)

ROLL NO. : 51 (Major)

SUBJECT : English

SUBMITTED TO :

Dr. Smrity Sharma

TOPIC

Introduction of Two Indian Writers

- Rabindranath Tagore
- Sarojini Naidu

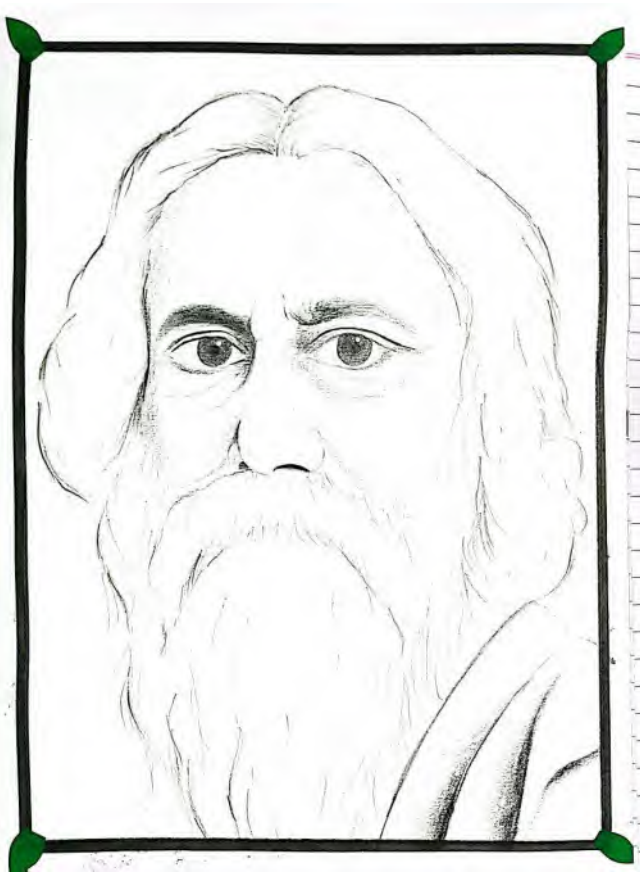

RABINDRA NATH TAGORE

- Ravindranath Tagore was one of the versatile genius of India. He was a famous poet of Bengal. Apart from this he was also a essayist, novelist, playwright, song composer, short story writer and painter. His knowledge cannot be described in mere words. He also has a major contribution to English literature. Even today his works are famous and read all over India.

- His Compositions were chosen by two nations as national anthems: India's "Jana Gana Mana" and Bangladesh's "Amar Shonar Bangla". The Sri-Lankan national anthem was inspired by his work. Tagore was known by Sobriquets: Gurudev, Kobiguru, Biswakovi.

HIS BRIEF INTRODUCTION

- **His early life** : He was born on 7 May, 1861 in Jorasanko mension, Kolkata (Calcutta). He was the youngest son of Maharshi Debendranath Tagore and Sarada Devi.
Both his father and grandfather were associated with the Brahmo Samaj. His mother had died in his early childhood and he was raised mostly by servents.

At a very young age Rabindranath Tagore was part of the Bengal renaissance, which his family took active participation in.

He was the man of multitalent. He started penning down poems at the age of 8 and by the age of sixteen he had started publishing poems under the pseudonym Bhanusimha.

In 1873, he toured with his father for several months and gained knowledge on several subjects. He learned Sikhism when he stayed at Amritsar and pen down six poems and many articles on the religion.

Patriotism.....

Tagore was not only a Poet. He was also a great lover of his country. In 1919 occurred the shameful Jallianwala Bagh massacre in Amritsar, where innocent people killed by the British. Rabindranath immediately gave up his knighthood which he received from the British Crown in 1915.

Visva Bharti.....

Shantiniketan was founded by the Tagore family. One of the greatest of achievements of Tagore was the establishment of Visva Bharti at Shantiniketan. The classrooms and the scope for learning in this university were not confined with four walls.

Nobel Prize.....

Tagore went to England for the third time in 1912. He had translated his famous collection of songs, the Gitanjali into English and published it in England. On his return to India in 1913 he was awarded the Nobel Prize in literature.

HIS WRITING CAREER

In a very young age Tagore established his reputation as a poet and prose writer. The greatest Bengali novelist, Bankimchandra Chatterjee greatly admired the genius of the young poet.
He also edited journals, the Bharti and the Bangadarshan and took part in the foundation of the Bangiya Sahitya Parishad. As he grew older, he wrote innumerable poems and songs, novels and dramas, stories and essays.

His Writings

Tagore is known by his most famous works in Bengali as well as in English literature. He referred to as 'the Bard of Bengal.
Some of his notable works are:

- **Short Stories** → Tagore began his career in short stories in 1877 with Bhikharini (The Beggar woman) in Bengali. His another famous stories are: 'The Cabuliwallah', 'The Home-coming', 'The child's Return', The Postmaster, Master Mashai etc.

Novels..

- Rajarshi (The Royal Sage) 1887
- Noukadubi (The Wreck) 1906
- Gora (Fair-Faced) 1909
- Chaturanga (Chaturanga) 1916
- Ghare Baire (The Home and the World) 1916
- Shesher Kobita (The Last Poem) 1929

Novella
- Nastanirh (The Broken Nest) 1901
- Chokher Bali (A Grain of Sand) 1901

Poetry..

- Kabi-kahini (The tale of the poet) 1878
- Bhagna Hriday (The Broken Heart) 1881
- Sandhya Sangeet (Evening Songs) 1881
- Kari o Komal (Sharps and Flats) 1886
- Manasi (The Heart's Desire) 1890
- Sonar Tari (The Golden Boat) 1895
- Chitra (Not translated in English) 1896
- Kheya (Ferry) 1906
- Gitanjali 1910

Gitangali is one of the most greatest writings of Tagore. It is a collection of poems, Published in India in 1910. Tagore then translated it into Prose poems in English, as Gitanjali: Song Offerings, and

it was published in 1912 with an introduction by William Butler Yeats. It is part of UNESCO collection of representative works. Its central theme is devotion.

• Plays..

> Prakritir Pratisodh (Nature's Revenge) 1884
> Visarjan (Sacrifice) 1890
> Malini (Malini) 1896
> Raja (The king of the Dark chamber) 1910
> Dak Ghar (The post Office) 1912
> Phalguni (Cycle of Spring) 1916

• Memoirs - Jivan Smriti (My Reminiscences) 1911

..Death..

Full of glory and honors the poet passed away on August 7, 1941 at his ancestral home in Calcutta (Now Kolkata). His death was mourned all over the world. His centenary has been celebrated throughout India and other countries in 1961.

"Everything Comes to us that belongs to us if we create the capacity to receive it."

Rabindranath Tagore

SAROJINI NAIDU

Sarojini Naidu was one of the versatile genius of India. She was born in Bengali Brahmin family. She is known as one of the prominent female poets of India. She was also the first Indian woman to become the President of Indian National Congress. She was one of the eminent female freedom fighters of the Indian freedom Struggle.

Naidu is known as "one of India's feminist luminaries". Her's birthday, 13 Feb, is celebrated as Woman's Day to recognise powerful voices of women in India's history.

Naidu's work as a poet earned her the sobriquet 'the Nightingale of India' by Mahatma Gandhi because of colour, imagery and lyrical quality of her poetry.

Her Early Life and Education

Sarojini Naidu was born as Sarojini chattopadhyay on 13th February 1879 in Hyderabad, Andhra Pradesh in a Bengali Brahmin family.

Her mother was a renowned Bengali Poetess herself and her father Aghoremath chattopadhyay was Principal of the Nizam's College, Hyderabad.

Sarojini's father sent her to Madras to complete her matriculation at the age of twelve. In 1895, her one such play in Persian, Maher Munee grabbed the Nizam's eyes and she was awarded a scholarship and a golden opportunity to study at King's College, London and later she studied at Girton College, Cambridge.

She met Muthyala Govindarajulu Naidu, a non-Brahmin physician, while she was studying in England and fell in love. After returning to India, she married him at the age of 19.

Political Career.....

- Apart from being a poet, she was also politically active. She joined the Indian National Movement in the wake of Partition of Bengal in 1905.

- During 1915 to 1918 she travelled to different parts of India delivering speeches on nationalism.
- She helped established the Women's Indian Association in 1917.
- In 1925, Naidu was the first female president of the Indian National Congress.

- In 1927, Naidu was a founding member of the All India Women's Conference.

In 1930 Gandhi initially did not want to permit women to join the Salt March, but Naidu and other female activists, persuaded him and joined the march. When Gandhi was arrested on April 6, 1930, he appointed Naidu as the new leader of the campaign.

Sarojini Naidu was jailed in 1930 first for her participation in Salt Satyagraha.
In 1931, she participated in the round-table Conference with Gandhi and Malaviya. She was later arrested again in 1932 and 1942 for her participation in the Quit India Movement, when she spent 21 months in jail.

She was appointed the governor of the United Provinces (now Uttar Pradesh) in 1947. She was India's first woman governor and remained in that position till her death in 1949.

- Naidu was awarded the 'Kaiser-i-Hind medal' by the British government for her work during the plague epidemic in India in 1928.

Poetic Career....

Sarojini Naidu is known as the Nightingale of India because of her poetry. She began writing poems at the age of 10 and by 12, she had written 'Lady of the Lake' which was 1300 lines long, in merely six days.

She was well versed in five languages namely English, Hindi, Urdu, Telugu and Bengali but she chiefly wrote in English.

While in England, she was encouraged by the poets Arthur Simon and Edmond Gousse to explore Indian themes in her writing, such as India's landscape, her Temples and her people.

Edmund Gosse called her "the most accomplished living poet in India" in 1919.

She was well-regarded as a poet considered the "Indian Yeats".

Her Writings....

- 'The Golden Threshold' her first collection of poems published in 1905.
- The second volume of poems 'THE Bird of Time' was published in 1912 in London.
- 'THE Broken Wings' – Songs of Love, Death & Destiny. This book is a compilation of Poems, published in 1917.
- 'THE Sceptred Flute' – Songs of India, is a collection of Poetry published in 1943.
- 'THE Feather of Dawn' is a collection of poems was edited and published posthumously in 1961.
- 'THE Indian Weavers' is a poem written by Sarojini Naidu published in 1971.

Death..

She passed away on 2 March 1949 due to cardiac arrest. At her demise Pt. Nehru said "And now the dearest and brightest of them is gone. I feel desolate of heart and widowed in spirit"

Topic _____ Date _____

Name → Muskan

Father's name → Mr. Ansar

Roll no → 22002000111134

Class → B.A II nd Sem

Subject → Economics

Assignment Topic →

① Circular Flow of Income and IV th Sec. Model

② National Income and Its Measurement

Submitted To → Dr. Veermati Singh (Ham.)

Submitted by → Muskan

Submission Date → 25-7-2022

Designer Sheet

Teacher's Signature .....

Ques1 आय के चक्रीय प्रवाह से आप क्या समझते हैं? एक खुली अर्थव्यवस्था में आय के चक्रीय प्रवाह को समझाइए चित्र सहित।

आय का चक्रीय प्रवाह

फर्मों द्वारा पहले आय सृजित होती है फिर परिवारों में साधन सेवाएं प्रदान करने के लिए बांटी जाती है और अन्त में परिवारों द्वारा व्यय के रूप में वही आय फर्मों के पास वापस आ जाती है अर्थात "परिवार के द्वारा उत्पादन के लिए अपनी साधन सेवाएं फर्मों को प्रदान की जाती हैं।"
जैसे → भूमि, श्रम, पूँजी, उद्यम की सेवाएं।
और बदले में फर्मों से साधन, भुगतान या मुआवजा प्राप्त करते हैं।"
जैसे → भूमि के लिए — (लगान)
श्रम के लिए — (मजदूरी)
पूँजी के लिए — (ब्याज)
उद्यम के लिए — (लाभ)
दूसरी ओर व्यवसायिक फर्में इन उत्पादन साधनों के प्रयोग से वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती हैं।
इस प्रकार →
उपभोक्ता उत्पादकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं को पैसों के लिए खरीदते हैं, जिससे आय उत्पन्न होती है और इस प्रक्रिया में उत्पन्न आय एक परिपत्र गति में चलती रहती है इसे "आय का चक्रीय प्रवाह" कहते हैं।
यह एक सतत प्रक्रिया है क्योंकि इसके प्रवाह का कोई अन्त नहीं है।

खुली अर्थव्यवस्था में आय का चक्रीय प्रवाह

आय के चक्रीय प्रवाह के चार क्षेत्रीय मॉडल में चार क्षेत्र शामिल होते हैं। परिवार, व्यवसायिक फर्में, सरकार, शेष विश्व क्षेत्र व पूँजी बाजार। यह क्षेत्रीय मॉडल "खुली अर्थव्यवस्था" को प्रदर्शित करता है। इसमें विदेशी क्षेत्र या शेष विश्व क्षेत्र को भी सम्मिलित किया जाता है। इसमें पूरे विश्व के साथ वस्तुओं का आयात तथा निर्यात होता है। इसमें फर्मों को निर्यात के लिए बाहरी क्षेत्र से भुगतान प्राप्त होता है, जबकि आयात के लिए बाहरी क्षेत्र को भुगतान किया जाता है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था का एक शेष विश्व की ओर मुद्रा का प्रवाह होता है। घरेलू क्षेत्र द्वारा बाहा या विदेशी क्षेत्र को कारक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं जिसके लिए उसे निवल कारक भुगतान प्राप्त होता है।

इस प्रकार एक खुली अर्थव्यवस्था में शेष विश्व के साथ सम्पर्क हो जाने के कारण आय प्रवाह की कुछ कड़ियाँ और जुड़ जाती हैं जिससे "आय का चक्राकार" प्रवाह और भी व्यापक हो जाता है।

एक खुली अर्थव्यवस्था में मुद्रा के चक्रीय प्रवाह को चित्र के द्वारा समझ सकते हैं।

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि चार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में परिवार, फर्मों और सरकार के बीच चलने वाले देने लेने के अतिरिक्त, यह देश शेष संसार के साथ भी देन लेन करते हैं इस प्रकार खुली अर्थव्यवस्था में चार क्षेत्र होते हैं। (i) परिवार क्षेत्र (ii) व्यवसायिक फर्में, (iii) सरकारी क्षेत्र (iv) शेष विश्व क्षेत्र (v) पूँजी बाजार।

शेष विश्व के साथ सम्पर्क हो जाने से आयात व निर्यात का भी आय के चक्रीय प्रवाह पर प्रभाव पड़ता है।

1. यदि निर्यातों से प्राप्त आय आयातों पर किये गए व्यय के बराबर है तो मुद्रा के चक्राकार प्रभाव पूर्ववत रहेगा।
2. यदि निर्यातों से प्राप्त आय आयातों पर किये गए व्यय से अधिक है तो मुद्रा का चक्राकार प्रभाव बढ़ जायेगा।
3. इसके विपरीत यदि निर्यातों से प्राप्त आय आयातों पर किये गये व्यय की तुलना में कम है तो इससे मुद्रा का चक्राकार प्रभाव कम हो जाएगा।

इस प्रकार स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था की आय का जो भाग आयात मूल्यों को चुकाने में विदेशों में पहुँच जाता है, वह पुनः निर्यात के रूप में अर्थव्यवस्था में अन्तरवाहित होता है।

स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था में आय का सृजन होता है उत्पादन क्षेत्र में तथा यह आय अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों में प्रवाहित होता है।

सन्तुलन की शर्त → $Y = C + I + G + (X - M)$

यहाँ, Y = आय/उत्पादन, C = उपभोक्ता व्यय, I = निवेश व्यय, G = सरकारी व्यय, $X - M$ = (शुद्ध निर्यात (X = निर्यात तथा M = आयात))

Ques 2 राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं? परिभाषा दीजिए व उसे मापने की इकाईयां बताइये।

राष्ट्रीय आय National Income

किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था द्वारा पूरे वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के शुद्ध मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते हैं इसे NNP (FC) (Net national Product @ factor cost) या साधन पर (शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद से भी दर्शाया जाता है।

★ भारत में सबसे पहले राष्ट्रीय आय की गणना "दादाभाई नैरोजी द्वारा 1868 में अपनी किताब "Poverty in British rulle in India" में की गई थी। इसमें उनके द्वारा प्रति व्यक्ति आय को 20/- रू० बताया गया था।

★ मार्शल की परिभाषा :- "किसी देश का श्रम व पूँजी उस देश के प्राकृतिक साधनों पर कार्य करते हुए प्रति वर्ष भौतिक तथा अभौतिक वस्तुएं एवं सभी प्रकार की सेवाओं का एक विशुद्ध योग उत्पन्न करते हैं यही किसी देश की वास्तविक विशुद्ध वार्षिक आय या आगम अथवा राष्ट्रीय लाभांश है।"

(2) पीगू की परिभाषा :- "किसी समुदाय की राष्ट्रीय आय वस्तुगत आय का वह भाग है जिसमें विदेशों से प्राप्त आय सम्मिलित होती है।"

राष्ट्रीय आय को मापने की विधियां

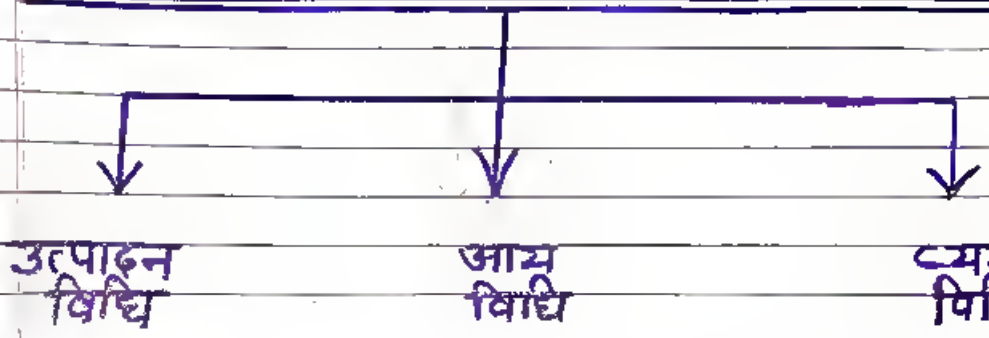

★ **राष्ट्रीय आय का मापन** :- राष्ट्रीय आय की गणना किसी भी विधि से करने पर राष्ट्रीय आय के प्रवाह की मात्रा समान ही रहती है।

देश में उत्पादन को बेचकर प्राप्त धनराशि

=

उत्पादन के साधनों की मालिकों की आय

=

देश के लोगों की आय का व्यय

इस प्रकार देश का कुल उत्पादन देश की कुल आय होती है व एक देश के लोगों के पास जितनी आय होती है उस सीमा तक वे व्यय कर सकते हैं।

कुल राष्ट्रीय = कुल राष्ट्रीय आय = कुल राष्ट्रीयव्यय

GNP = GNI = GNE

इस प्रकार राष्ट्रीय आय को हम निम्न विधियों के माध्यम से माप सकते हैं।

1. **उत्पादन विधि** :— इस विधि को (मूल्य संवर्धन) विधि भी कहते हैं इस विधि के अन्तर्गत एक वर्ष की अवधि में देश में उत्पादित समस्त वस्तुओं व सेवाओं के बाजार मूल्य की गणना करते हैं इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादन की बाजार की मात्रा को बाजार कीमत से गुणा किया जाता है।

★ **प्रोशूप के शब्दों में** :— कुल वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य के योग को "अन्तिम उत्पादन योग" भी कहा जाता है चूँकि इस रीति में देश में एक वर्ष में "वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह" का योग किया जाता है इसलिए इस रीति को "वस्तुओं और सेवाओं की प्रवाह रीति" भी कहते हैं।

★ **मूल्य विधि / उत्पादन विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम**

इस विधि द्वारा राष्ट्रीय आय को मापने के निम्नलिखित कदम हैं।

1 **प्रथम कदम** :— इस विधि में सबसे पहले उन उत्पादक उद्यमों की पहचान की जाती है जो उत्पादन करते हैं इनका वर्गीकरण निम्न तीन क्षेत्रों में किया जाता है।

(i) **प्राथमिक क्षेत्र** : कृषि, वन, मछलीपालन, पशुपालन

(ii) **उद्योग / द्वितीयक क्षेत्र** :— निर्माण उद्योग, बिजली की आपूर्ति जल एंव गैस आदि।

(iii) **तृतीयक क्षेत्र** :— बैंकिंग, बीमा, यातायात, शिक्षा, व्यापार आदि।

इस प्रकार हम तीनों क्षेत्रों में हुए कुल उत्पादन को उसकी कीमत से गुणा करके कुल उत्पादन मूल्य ज्ञात किया जाता है। इस मौद्रिक मूल्य को "सकल राष्ट्रीय उत्पादन" कहते हैं सकल राष्ट्रीय उत्पादन की गणना बाजार कीमत पर किये जाने के कारण इसे "बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद" (GNP at Market Price) भी कहा जाता है।

सकल घरेलू उत्पादन

विवरण	मात्रा	कीमत	सकल मौद्रिक मूल्य
1. कृषि क्षेत्र में कुल उत्पादन का मौद्रिक मूल्य →	400	30	= 12,000
2. औद्योगिक क्षेत्र में कुल उत्पादन का मौद्रिक मूल्य →	300	24	= 7,200
3. सेवाओं के क्षेत्र में कुल उत्पादन का मूल्य →	200	15	= 3,000
अतः सकल घरेलू उत्पाद के बाजार कीमत का योग =			= 22,200 ₹.

सूत्र के रूप में :

$$GDP_{mp} = P(Q) \times P(S)$$

जहाँ पर

P = प्रति इकाई बाजार मूल्य, Q = भौतिक वस्तुएँ

S = भौतिक सेवाएं।

2. दूसरा कदम → इसके अन्तर्गत दो विधियों के माध्यम से **"उत्पाद के मूल्य की गणना"** की जाती है।

① **अन्तिम उत्पाद विधि** :- इस विधि के अन्तर्गत अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य निकालने के लिए इसमें से मध्यवर्ती वस्तुओं व सेवाओं का मूल्य घटा दिया जाता है।

उदाहरण :- उपभोक्ता को बेची जाने वाली डबल रोटी का मूल्य 3,600 है। और यह अन्तिम वस्तु है। केवल इसी मूल्य को राष्ट्रीय उत्पादन में शामिल किया जाएगा। इसको बनाने में गेहूँ की कीमत ₹ 1600 मैदा की कीमत ₹ 2400 तथा बेकरी द्वारा बनाई गई डबल रोटी की कीमत ₹ 3,200 अर्थात् 1600 + 2400 + 3200 = ₹ 7,200 मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य है। जिसे उत्पाद के कुल मूल्य (1600 + 2400 + 3200 + 3600 = ₹ 10,800) में से घटा दिया जाएगा। अतः

अन्तिम वस्तु का मूल्य = कुल उत्पाद मूल्य − मध्यवर्ती वस्तु का मूल्य

3600 = 10,800 − 7,200

② **मूल्य वृद्धि विधि** :- उत्पादन विधि द्वारा राष्ट्रीय आय को मापने का दूसरा तरीका "मूल्य वृद्धि विधि" है।
मूल्य वृद्धि से अभिप्राय है कि उत्पादन की प्रत्येक अवस्था में प्रत्येक फर्म द्वारा वस्तु के मूल्य में कितना मूल्य जोड़ा गया है।

मूल्य वृद्धि विधि

उत्पादन की अवस्था	उत्पादन का मूल्य	मध्यवर्ती वस्तु की लागत	मूल्य में वृद्धि
गेहूँ	1,600	——	1,600
मैदा	2,400	- 1,600	800
डबल रोटी	3,200	- 2,400	800
डबल रोटी की बिक्री	3,600	- 3,200	400
जोड़	10,800	- 7,200	3,600

3. तीसरा कदम — इस विधि के अन्तर्गत राष्ट्रीय आय का अनुमान अर्थात् राष्ट्रीय आय के विभिन्न संघटकों के मूल्यों का अनुमान निम्न प्रकार लगाया जाता है।

1. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद → देश की घरेलू सीमा में प्राथमिक क्षेत्र में सकल वृद्धि, द्वितीयक क्षेत्र में सकल वृद्धि, तृतीयक क्षेत्र में सकल वृद्धि।

2. बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP at mp) :

मशीनरी आदि को यथावत् रखने के लिए घिसावट की व्यवस्था की जाती है। इसलिए घिसावट व्यय को "मूल्य ह्रास" कहते हैं। सकल घरेलू उत्पाद में से मूल्य ह्रास को घटाने पर बाजार कीमतों पर शुद्ध घरेलू उत्पाद का मूल्य प्राप्त हो जाता है। अर्थात्

$NDP_{mp} = GDP_{mp}$ − मूल्य ह्रास (Depreciation)

3. साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP at FC)

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP$_{MP}$) की सहायता से साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP$_{FC}$) व साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय (NNP$_{FC}$ OR NI) की गणना की जाती है। परन्तु "अप्रत्यक्ष करो" व "आर्थिक सहायता" का समायोजन करना पड़ता है। अर्थात्

NDP$_{FC}$ = NDP$_{MP}$ − अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता

4. साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय:

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद में विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय का समायोजन करने से साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय प्राप्त हो जाती है अर्थात्

NNP$_{FC}$ OR NI = NDP$_{FC}$ + विदेशों से शुद्ध साधन आय

व्यय विधि

परिभाषा :- "व्यय विधि वह विधि है जिसके द्वारा एक लेखा वर्ष में बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद पर किये गये अन्तिम व्यय को मापा जाता है। यह अन्तिम व्यय बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के बराबर होता है।" इस विधि को "अन्तिम व्यय विधि" या "उपभोग विनियोग विधि" कहते हैं।

इस विधि द्वारा अन्तिम उपभोग और विनियोग व्यय को जोड़कर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है।

संक्षेप में → $Y = C + I$

व्यय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम

पहला कदम

① अन्तिम व्यय की पहचान :- यदि उद्यमी दूसरे उद्यमी से जो वस्तु या सेवा खरीदता है, तथा उसका प्रयोग दोबारा बेचने के लिए या आगे उत्पादन करने के लिए करता है तो ऐसी वस्तु पर किया गया व्यय "मध्यवर्ती व्यय" कहलाता है।
इसके विपरीत यदि किसी उद्यमी द्वारा अन्तिम उपभोग या पूंजी निर्माण के लिए वस्तुएं तथा सेवाएं खरीदी जाती हैं तो उन पर किया गया व्यय "अन्तिम व्यय" कहलाता है।

★ दूसरा कदम

(1) **अन्तिम व्यय करने वाली आर्थिक इकाईयों की पहचान** :- देश की घरेलू सीमा के अन्तर्गत उन सभी आर्थिक इकाईयों के द्वारा किये जाना वाला अन्तिम व्यय का वर्गीकरण निम्नलिखित समूह में किया जाता है।

(1) परिवार क्षेत्र (2) उत्पादक क्षेत्र (3) सरकारी क्षेत्र
(4) शेष विश्व क्षेत्र

★ तीसरा कदम

अन्तिम व्यय की गणना :- अन्तिम व्यय में निम्नलिखित व्यय को शामिल किया जाता है जिसे हम निम्न चित्र के माध्यम से समझ सकते हैं।

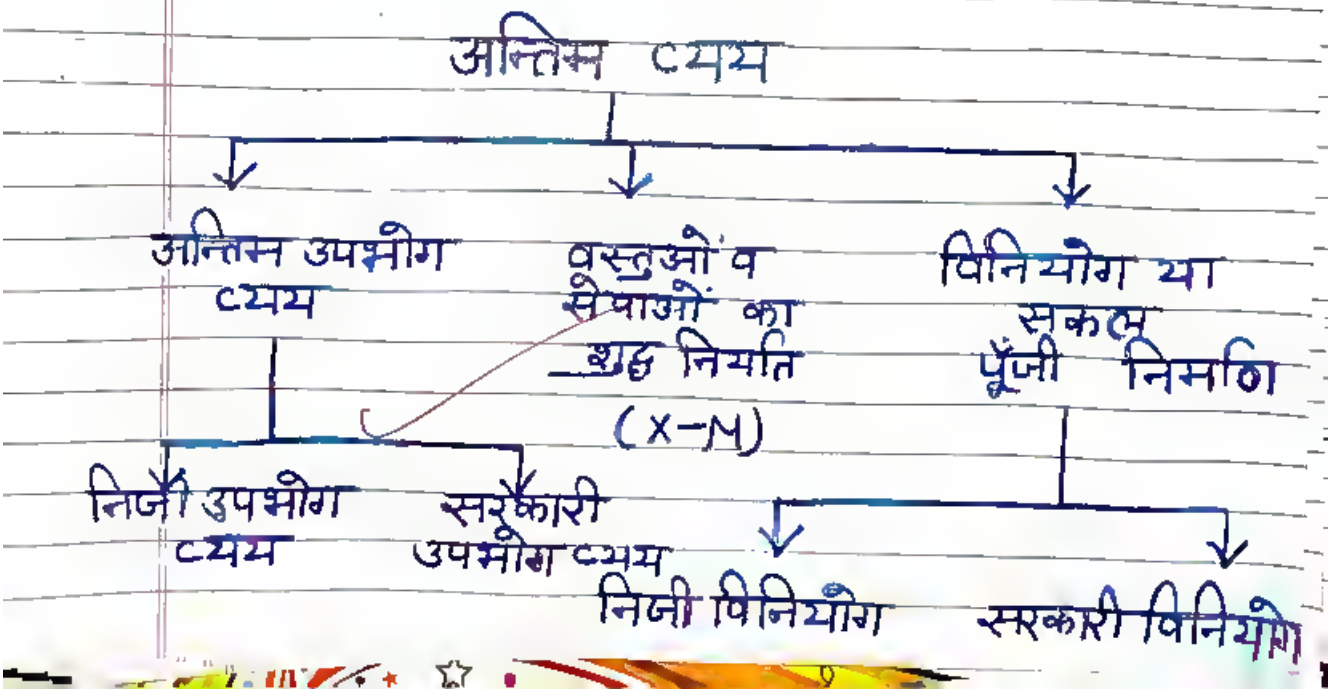

(1) **अन्तिम उपभोग व्यय** :- अन्तिम उपभोग व्यय को दो भागों में बाँटा गया है।

(A) **निजी उपभोग व्यय** :- देश के निवासियों के द्वारा अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए किया जाने वाला व्यय निजी उपभोग व्यय कहलाता है यह व्यय निम्न प्रकार का हो सकता है -

(क) शीघ्र उपभोग की वस्तुओं पर किया गया व्यय → खाद्यान्न, प्रेय पदार्थ आदि।

(ख) टिकाऊ वस्तुओं पर किया जाने वाला व्यय → फर्नीचर, कालीन, रेडियो, वीडियो तथा कार आदि।

(ग) विभिन्न सेवाओं पर किया जाने वाला व्यय → शिक्षण, मनोरंजन, संचार, परिवहन

(B) **सरकारी या शासकीय उपभोग व्यय** :- इस व्यय के अन्तर्गत तीन मदों को शामिल किया जाता है।

(i) कर्मचारियों को दिया गया वेतन

(ii) सरकार द्वारा सामूहिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वस्तुओं व सेवाओं का क्रय

(iii) विदेशों में वस्तुओं व सेवाओं का शुद्ध क्रय

(2) **वस्तुओं एवं सेवाओं का शुद्ध निर्यात (X-M)**

निर्यात और आयात के अन्तर को शुद्ध निर्यात कहते हैं। यदि आयात की तुलना में निर्यात अधिक होगा तो शुद्ध निर्यात धनात्मक और यदि आयात निर्यात से अधिक होगा तो शुद्ध निर्यात ऋणात्मक होता है।

व्यय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय की गणना निम्नलिखित सूत्र द्वारा की जा सकती है।

(1) बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GNP$_{mp}$) :-

निजी अन्तिम उपभोग व्यय (C_n) + सरकार द्वारा अन्तिम उपभोग व्यय (C_g) + निजी विनियोग (I_n) + सरकारी विनियोग या पूंजी निर्माण (I_g) + शुद्ध निर्यात (X-M)

अथवा → $GNP_{mp} = C_n + C_g + I_n + I_g + (X-M)$

निम्नलिखित सूत्र से स्पष्ट है कि C_n, C_g, I_n, I_g और शुद्ध निर्यात (X-M) को जोड़ देते हैं तो हमें बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पादन प्राप्त हो जाता है।

(2) बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद NDP at MP :-

GNP$_{mp}$ से मूल्य ह्रास की राशि घटा देने से हमें NDP$_{mp}$ प्राप्त हो जाता है।

NDP$_{mp}$ = GNP$_{mp}$ − मूल्य ह्रास

(3) साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद :- साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP$_{FC}$) मालूम करने के लिए मे से शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (अप्रत्यक्ष कर - आर्थिक सहायता) को घटा देना चाहिए। NDP$_{mp}$ अर्थात्

NDP$_{FC}$ = NDP$_{mp}$ − शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

④ साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPFC) / राष्ट्रीय आय (NI)

साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय आय मालूम करने के लिए में शुद्ध निर्यात (X-M) को जोड़ देते हैं NDP FC अर्थात्

NI = NDPFC + शुद्ध निर्यात (विदेशों से शुद्ध साधन आय)

व्यय विधि

1. निजी अन्तिम उपभोग व्यय
2. सरकारी अन्तिम उपभोग व्यय
3. सकल घरेलू पूँजी निर्माण
4. शुद्ध निर्यात (निर्यात - आयात)

↓

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})

(−) मूल्य ह्रास

↓

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP})

(−) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

↓

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC})

(+) विदेशों से शुद्ध साधन आय

↓

राष्ट्रीय आय

(3.) # विनियोग या सकल पूँजी निर्माण

एक वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की पूँजीगत सम्पत्तियों के मूल्य में होने वाली वृद्धि को विनियोग या पूँजी निर्माण कहते हैं। इसमें निजी विनियोग व सरकारी विनियोग शामिल किए जाते हैं।

(A) निजी विनियोग :- निजी विनियोग के अन्तर्गत निम्नलिखित मदों को शामिल किया जाता है।

(i) मशीन व उपकरणों पर व्यय :- अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए व्यवसायिक भवनों, मशीनों व उपकरणों का क्रय किया जाता है। ये वस्तुएँ उत्पादक होती हैं और इन्हें विनियोग में शामिल किया जाता है।

(ii) स्टॉक या माल तालिकाओं पर व्यय :- स्टॉक से तात्पर्य किसी विशेष तिथि पर कच्चे माल, अर्द्धनिर्मित, एवं तैयार माल के स्टॉक से है। यदि वर्ष के अन्त में इस माल में वृद्धि होती है तो वृद्धि के मूल्य को स्टॉक में विनियोग माना जाता है।

स्टॉक में परिवर्तन = अन्तिम स्टॉक - प्रारम्भिक स्टॉक

(iii) भवन निर्माण पर व्यय :- भवन निर्माण के दो मुख्य उद्देश्य हैं —

पहला → यह टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु है जिसमें परिवार आवास करता है।

दूसरा → इन भवनों को किराए पर उठाया जाता है। जो आय का विशेष साधन भी है। भवन निर्माण कार्य जो निजी विनियोग व्यय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है उसे जी० एन० पी० में शामिल किया जाता है।

(B.) सरकारी विनियोग :- सरकार द्वारा नहरों, बाँधों, सड़कों, रेल, बिजली संचार आदि पर किया गया व्यय सरकारी विनियोग कहलाता है।

निजी विनियोगों और सरकारी विनियोग को संयुक्त रूप से "घरेलू पूँजी निर्माण" कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त सरकार उपभोग तथा उत्पादन वस्तुओं का निर्माण भी करती है। इस पर किए गए व्यय को भी "सरकारी विनियोग" कहते हैं।

आय विधि

आय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय को मापने के लिए उत्पादन के विभिन्न साधनों के द्वारा उत्पादन में उनकी सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप मिलने वाले भुगतान अर्थात् साधनों की आय का योग करते हैं। इस योगफल को घरेलू आय कहते हैं। इस योग में विदेशों से अर्जित शुद्ध आय जोड़ देने से "राष्ट्रीय आय" बन जाती है।

संक्षेप में,

राष्ट्रीय आय = मजदूरी + लगान + ब्याज + लाभांश + अवितारित लाभ + निगम लाभ कर + सार्वजनिक क्षेत्र का अधिशेष + मिश्रित आय + विदेशों से अर्जित शुद्ध आय

★ आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम

1. पहला कदम :-

★ **साधन आय का वर्गीकरण :-** साधन आय को मुख्य रूप से निम्नलिखित भागों में बाँट लिया जाता है।

(1) कर्मचारियों का परिश्रमिक → मजदूरी, वेतन, किस्म के रूप में आय आदि।

(2) परिचालन अधिशेष → सम्पत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय, लगान, ब्याज, लाभ (लाभांश + निगम कर + उद्यमों की बचत या अवितारित लाभ)

(3) मिश्रित आय :- स्वनियोजित आय को मिश्रित आय कहते हैं वह व्यक्ति जो एक ओर साधन, सेवाएं प्रदान करते हैं और दूसरी ओर स्वंय ही वस्तुओं का उत्पादन करते हैं वे मिश्रित आय प्राप्त करते हैं। जैसे → दुकान, वकील, डॉक्टर, बढई तथा कृषक आदि की आय मिश्रित आय कहलाती है।

शुद्ध घरेलू आय = कर्मचारियों का परिश्रमिक, परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय

(4) विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय :- किसी भी अर्थव्यवस्था के कुल आयात और निर्यात के अन्तर को "विदेशी शुद्ध परिसम्पत्ति आय" कहते हैं।
इसके अन्तर्गत स्वदेश में विदेश में जनशक्ति तथा मौलिक वस्तुएँ पहुंचाना, पर्यटकों द्वारा ऐतिहासिक एंव अन्य आकर्षक भवनों को देखने के लिए विदेशों से स्वदेश में आना, आदि।

शुद्ध विदेशी आय को शुद्ध घरेलू आय में जोड़कर राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है। अर्थात

राष्ट्रीय आय = कर्मचारियों का परिश्रमिक, परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय + शेष संसार से शुद्ध साधन आय।

दूसरा कदम

(1) साधन आय का अनुमान :- एक उद्योग के सभी उत्पादकों द्वारा भुगतान की गई साधन आय को जोड़कर उस उद्योग की कुल आय मालूम की जाती है। और अर्थव्यवस्था के सभी उद्योगों द्वारा भुगतान की गई आय को जोड़कर शुद्ध घरेलू आय प्राप्त की जाती है।

(2) शुद्ध घरेलू आय :- शुद्ध घरेलू आय में उचित परिवर्तन करके राष्ट्रीय उत्पाद की शेष अवधारणाएं ज्ञात की जाती हैं जिसे हम निम्नलिखित चित्र द्वारा समझ सकते हैं

Bibliography

① इंटरनेट की निम्नलिखित वेबसाइट लिंक जिनकी सहायता से मेरा ये फाइल कार्य पूर्ण हो पाया है।

* WWW.atpeducation.Com

Topic is → Circular Flow of Income

② निम्नलिखित पुस्तकें जिनकी सहायता से मुझे मेरी फाइल का कार्य पूर्ण करने में सहायता मिली है।

Book → MacroEconomic

Writer → Sinha. V.C

Topic → National Income

2.2.1 - The institution assesses the learning levels of the students and organizes special Programmes for advanced learners and slow learners.

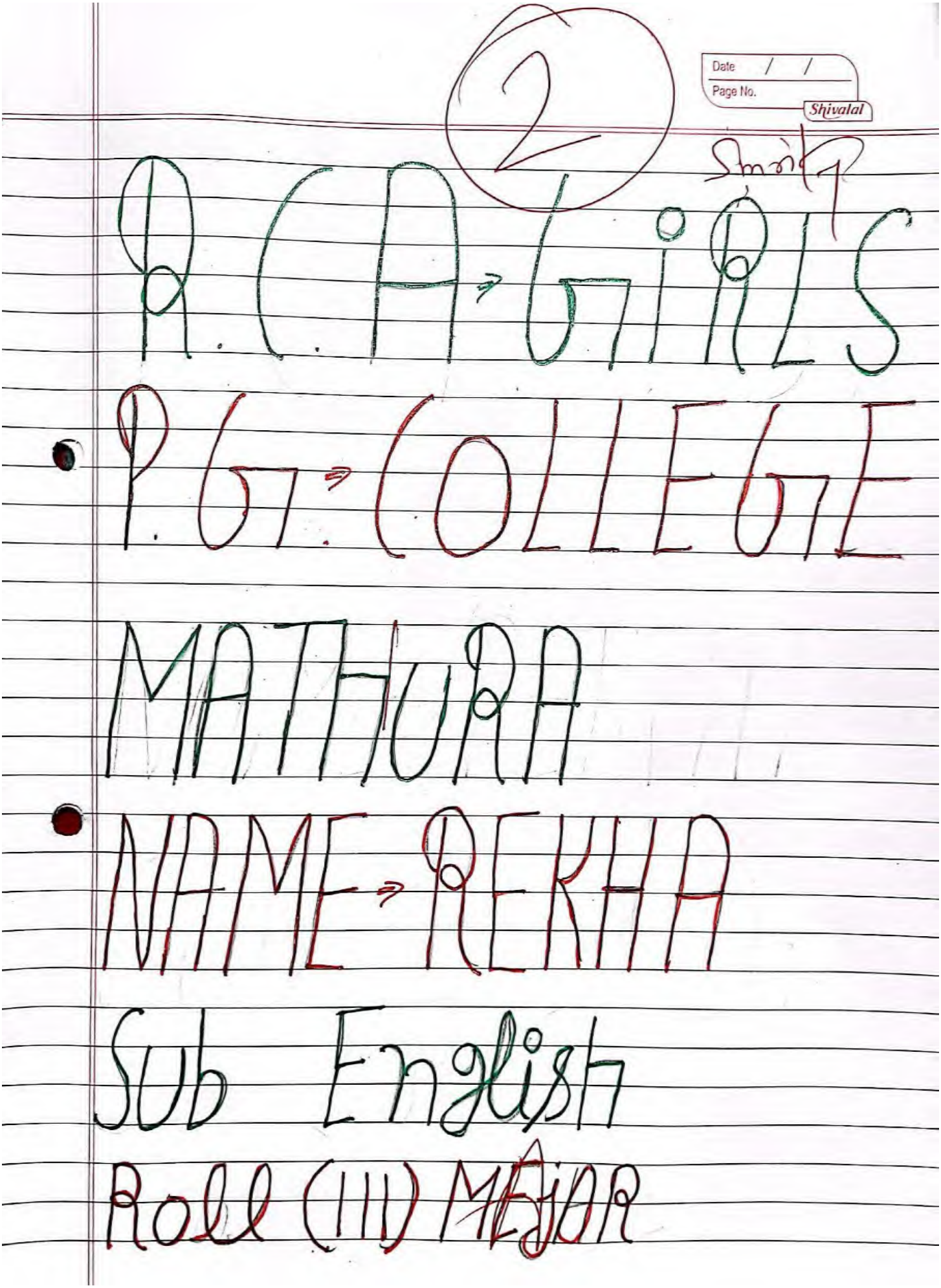

Date / /
Page No.
Shivalal

Rabindranath Tagore

Rabindranath Tagore Fras Was a Bengali polymath poet Writer playwright composer philosopher Social Reformer and painter He reshaped Bengali literatured and music as well as Indian art With contextual Modernism in the late 19th and early 20th centuries

Rabindranath Tagore West Bengal council of Higher Secondary

Rabindranath Tagore Was an icon of Indian Culture He We a poet philosopher musician Writer and educationist Rabindranath Tagore became The Rabindranath Tagore poetry Foundation A Mon of prodigious literecary and artistic accomplishments Tagore played a leading role in Indian cultural renaissance and Rabinderanath Tagore Biography Childhood Facts Works Life Rabindranath Tagore who composed The National Anthem of India and Won The Nobel Prize

Date / /
Page No.
Shivalal

Mahatma Gandhi

Mohandas Karamchand Gandhi was an Indian lawyer anti colonial nationalist and political ethicist who employed nonviolent resistance To lead The Successful Campaign For India's independence from British rule and to later inspire Movements for civil rights and Freedom across The World

People also ask
Better known as The Mahatma or Great Soul Gandhi was an Indian lawyer who led his Country to Freedom from British colonial rule in 1947 Gandhi is most Famous for his philosophy of nonviolence That has inspired civil rights leaders around The World

Mahatma Gandhi South Africa Salt March & Assassination Biography Mahatma Gandhi was The primary Leader of India's independence Movement and also the architect of a form of non violent

Date / /
Page No.

About THE WRITER

Alphonse Daudet Was a French novelist And Story Writer The lesson has Been Written during France And prussian war in This story Alsace and Lorranine the Two Districts of France had passed In to prussian hands

Rudyard Kipling

Joseph Rudyard Kipling Was an born English journalist Short - Story Writer poet and novelist He Was born in British India which Inspired much of This Work From Shakespeare Rudyeard Kipling to Robert Frost and Sylvia plath The list is endless Check out The list of top famous English poets Fo all Time 6 Rudyard Kipling Kim The Jungle Book Barrack Room Ballads Departmental Duties The Seven Seas The Five Nations Tales From The Hills Soldiers Three Joseph Rudyard Kipling was born December 30 1865 English author and and poet born in

Date / /
Page No.
Shivalal

John Keats

John Keats (october 31. 1795 February (23 1821) is a romantic greatest poets of English literature He Was one of The Second generation Romantic poets Famous Works include Queen Mab and prometheus Unbound John Keats John Keats (1795 - 1821) English Romantic poet best Known For his John Keats Poets OF Beauty Dr Samuel Johnson Father of Fo English Dictionary Geoffery Chaucer The Morning Star of Renaissance This list includes The

great English poets Such as Rudyard Kipling John keats Geoffery Chaucer And William Shakespeare There greatest English poets provide John Keats

Was one of The leading 19th Century Romantic poets along with Byron and Shelley. Known for his natural imagery And emotions in his poems

English Authors: The 10 Best English Writers

Interested in finding out most Famous English authors of all Time We ve had go at defining The World most Famous authors The And The best American Writers Elsewhere but The here We present The Ten best English authors (Excluding The Bard of Avon)

It Was no easy Task given The huge volume of high quality English Writers over The years plus any list of great authors is going to be at least on Some level - very Subjective We ve ended up going With The Criteria of

(i) Impact on The World of literature
(ii) Relevance today
(iii) Number of books Sold

Its Worth also pointing out That here at No Sweat Shakespeare We have no doubt That William Shakespeare is by far The best (and probably most Famous)

B. A. I Sem.

INDEX

Slow learner

Name : Nemolini Class & Section : BA I year

Subject : Sanskrit Roll No. :

Session : R.C.A Girls (P.G.) College Semester : [illegible] Mathura

S. No.	Description of the Project	Page No.	Date of Project	Date of Submission	Teacher's Sign./Remarks
1	कालिदास का परिचय -				
2	रचनाएँ				

Date / /
Page No.

बाण कृत हर्ष चरित की भूमिका के 16 वे श्लोक में कालिदास का उल्लेख किया गया है बाण हर्ष (606 ई से 648 ई) आश्रित कवि थे इस आधार पर कालिदास का समय 606 ई से पूर्व ठहरता है मन्दसौर के शिलालेख कालिदास के ग्रन्थों का समय 473 ई स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है इसी प्रकार 473 ई के कु. मारगुप्त की प्रशस्ति के कर्ता वत्सभट्टि की रचना में ऋतुसंहार के अनेक पद्यों की झलक है इन प्रमाणो पर कालिदास का समय पाँचवी सदी के अनन्तर नही ठहराया जा सकता।

Date / /
Page No.

चतुर्थ शताब्दी ईसवीय –

कई विद्वानों कालिदास को गुप्तकाल का स्वीकार करते हैं। कालिदास का समय वश गुप्तवंश का चतुर्थ शताब्दी मानने के लिए अनेक युक्तियाँ इस प्रकार हैं।

छठी शताब्दी

इस मत के विचारक जेम्स फर्गुसन का मत है कालिदास अथवा पष्ठ शतक में हुए होंगे और थनेली का मत है कि छठी शताब्दी में माधव नरेश प्राचीन का युद्ध देते हैं। सौ वर्ष पूर्व से समसामयिक होने कारण शतक के होने माने से मानों का वर्णन किया जाता है। बौद्ध दशानिक का समय पष्ठ शतक माना जाता है और मेघदूत वास्तविक बौद्ध दार्शनिक दिग्नाग का उल्लेख होने से एवं वराहमिहिर भी के ज्योतिष आचार्य होने के कारण माना गया आधार अन्तर छठी विद्यमान इसके माना मधमधेक्षा सोचिए उल्लेख का वर्णन किया किया जाता है और बौद्ध दशानिक दिग्नाग का उल्लेख होने से कालिदास को का समकालीन सामयिक माना जाता है। विक्रमादित्य की सभा के रत्नों में एक रत्न ने वराहमिहिर भी थे ज्योतिष के माना कालिदास का वर्णन किया सभी प्रकार कारण कहा जाता है सभी किया — सभी किया माना जाता है सभी रचनाओं का वर्णन किया जाता है।

बौद्ध कवि अश्वघोष का समय १८ है निश्चित है और इनके काव्यों पर कालिदास का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित है। कथानक की सूचि वर्णन शैली अलंकारों तथा छन्दों के प्रयोग का है प्रभावोत्पादक उदाहरण इस प्रकार है। रचनाऐ

तं वीक्ष्य वेपथुमती सरसाङ्गयष्टिः निक्षेपणाय पदमुद्धृतमुद्वहन्ती मार्गाचलव्यतिकराकुलितेव सिन्धुः शैलाधिराजतनया न ययौ न तस्थौ।

तं गौरव बुद्धगत चकर्ष भार्यानुराग! पुनराचकर्ष सो निश्चात नापि ययौ न तस्थौ तरस्तरंगेष्विव राजहंस।।

रघुवंशम् के प्रथम सर्ग मे दिलीप का वर्णन करते हुए कालिदास ने लिखा है

व्यूढोरस्को वृषस्कन्ध: शालप्रांशुर्महाभुज:

यही शब्दावली अश्वघोष मे सुन्दर के शरीर का वर्णन करने मे प्रयोग की है

दीर्घबाहुर्महावक्षा: सिंहांसो वृषभेक्षण:।।

इस तुलना से स्पष्ट है कि कालिदास अश्वघोष से पूर्व के ही प्रतीत होते है गुप्त

Date / /
Page No.

7. अक्षोप शंकर विजय के प्रणेता अभिनव कालिदास जिनका उपनाम माधव था। के प्रणेता कालिदास के समय तथा जीवन के विषय में विद्वान मतैक्य नहीं भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वान अनेक पुस्तक प्रमाणों के आधार पर भी एक मत हो जाते हो पाये है इसके विभिन्न कारण है।

1. कालिदास ने अपने विषय में किसी भी रचना में कुछ नहीं लिखा है
2. कालिदास के नाम के साथ कई किवदंतियाँ तथा कृत्रिम रचनाएं जुड़ गई है।
3. बाद में कालिदास नाम न रहकर उपाधि बन गया।

अधिकांश विद्वानों विक्रमादित्य को कालिदास का आश्रयदाता माना है। लोकगाथाओं तथा अन्यत्र भी कालिदास और विक्रमादित्य समाज में अर्जुन और कृष्ण की जोड़ी के समान समादृत होते चले आ रहे है। फिर भी इतिहास ग्रन्थों में कालिदास के समय निर्धारण में तीन मत प्रधान है।

नाटक के नायक आधार पर कालिदास का समय 150 ई पूर्व निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि इस नाटक के नायक शुगवंशी अग्निमित्र का समय 150 ई पू आस - पास है। बाण कृत हर्ष चरित्र की भूमिका के 16 वे श्लोक कालिदास का उल्लेख किया गया।

1. मालव सम्वत विक्रम के संस्थापक मालवाधीश विक्रमांक है यु इन की सभा के कालिदास जिनका उपनाम मेधावृ था जिन्होंने कुमारसम्भव रघुवंशम मेघदूत आदि रचना की।

2. हर्ष विक्रमादित्य की सभा कालिदास जिनका उपनाम मातृगुप्त था जो सेतुबन्ध काव्य के रचियता थे।

3. कामकोटि पीतम के मूकशंकर को शिष्य कालिदास जिनका उपनाम कोटिजीत था।

4. धाराधीश मुंज के समकालीन परिमल कालिदास जिनका उपनाम पदमगुप्त था जिन्होंने नवसाहसाङ्क चरित्र काव्य लिखा। राजा भोज के दरबारी कवि यही थे।

5. नलोदय काव्य के काव्य लिखा। राजा भोज के दरबारी कवि यही थे।

(6) चम्पू भागवत के रचयिता कालिदास।

(7) अकबरी दरबार के कालिदास अकबरीय जो अनेक समस्याओं की पूर्ति के लिए प्रसिद्ध है।

(8) लम्बोदर प्रहसन के रचयिता कालिदास।

(9) संक्षेप शंकर विजय के प्रणेता अभिनव कालिदास्य माधव था।

Date / /
Page No.

कालिदास का स्थितिकाल

संस्कृत साहित्य मे प्रकृति सौन्दर्य का सजीव वर्णन करने वाले महाकवि कालिदास भारतीय एवं पश्चात्य विद्वानो के अन्तः करण मे रसास्वाद को बढाने वाले एकमात्र कवि है। कुलगुरु की उपाधि मे विभूषित किया गया है। ऐसे ही कवि को देशी और विदेशी विद्वानो ने मुक्त कण्ठगुरु की उपाधि से विभूषित किया गया है। ऐसे कवि की देशी और विदेशी विद्वानो है। अर्थात कालिदास के स्थितिकाल वश स्वभाव चरित्र एक एवं जन्मस्थान आदि के विषय मे भी आज विश्वसनीय सामग्री उपलब्ध नही है कालिदास ने स्वयं या उनके समकालीन किसी कवि ऐसे कवि है जो अपना परिचय देना उचित नही समझते है। वे केवल अपने रचना कौशल से माना जाता रहा है वह है कालिदास का विक्रमादित्य के नवरत्नो मे होना एक और भारतीय नामक सम्राट ८४ ई पू को कालिदास आश्रयदाता मानते है इसी के पाश्चात्य कालिदास ३७५-४१३ ई को कालिदास आश्रयदाता मानते है। महाकवि कालिदास के स्थिति काल सम्बन्ध मे विचार करने से पूर्व भिन्न प्रतिय कवियो मे कालिदास को उपाधि को ऐसे भी कालिदासयों का वर्णन नहीं किया जाना समीचीन है। माना जाता है कालिदास सामान्य देते हुए सारे कौशल का वर्णन किया कहा माना कहा जाता है सभी किया माना सभी सभी किया कहा जाता है सभी माना जाता है

Date / /
Page No.

कालिदास का परिचय

संस्कृत साहित्य के महत्वपूर्ण महाकाव्य कुमारसंभव के रचयिता महाकवि कालिदास की कीर्ति आज दो हजार वर्ष बीतने पर भी उतनी ही प्रखर है वे संस्कृत के सर्वमान्य कवि नाटकार एवं गीतिकाव्य कार है। इस प्रकार का तीनो विधाओ मे आधिपत्य जितना कालिदास का रहा है। उतना किसी भी देश कोई कवि बराबरी नही कर सका है। इसलिए विद्वान समीक्षको की धारणा बनती जा रही है। महाकवि कालिदास विश्व के श्रेष्ठतम कवि है। इनके समय जन्म स्थान एवं जीवन के विषय मे अन्य प्राचीन भारतीय साहित्यकारो की भाँति कुछ निश्चित रूप मे नही कहा जा सकता। किंवदन्तियो एवं अन्त साक्ष्यो के आधार पर ही थोड़ा-बहुत जाना जा सकता है। संस्कृत साहित्य के कवियो के सम्बन्ध मे विशेष जानकारी उनकी रचनाओ के आधार पर सरलता से नही मिल पाती है। इसी श्रेणी मे कालिदास को भी रखा जा सकता है। आधार पर सरलता मिल नही पाती है इसी श्रेणी मे कालिदास को रखा सकता है सम्बन्ध मे डाली पर -द्वारा घर से मे निकाल दिये जाने कालिदास भगवती की आराधना करके महाकवि का पद प्राप्त कर लिया। भगवती आराधना करके नाना सम्बन्ध ~~मूस~~ बरबारार था। महाकवि बचपन मे मूर्ख थे उनके सम्बन्ध महाकवि इसी श्रेणी मे कालिदास को रखा जा सकता है महाकवि आधार मे लिया जाता है इसी प्रकार सामान्य परिचय देते हुए। माना लिया जाता है इसी माना कहा जाता है।

Date / /
Page No.
Shivalal

माहेश्वर सूत्र

1. अ इ उण्
2. ऋऌक्
3. एओङ्
4. ऐऔच्
5. हयवरट्
6. लण्
7. ञमङणनम्
8. झभञ्
9. घढधष्
10. जबगडदश्

प्रत्याहार

1. अण् - अ, इ, उ
2. अक् - अ, इ, उ, ऋ, लृ।
3. अच् - अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ।
4. अट् - अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य, व, र।
5. अण् - अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य, व, ल, र, ल।
6. अम् - अ, इ, उ, ऋ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य, व, र, ल, ञ, म, ङ, ण, न।
7. अश् - अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य, व, र, ल, ञ, म, ङ, ण, न, झ, भ, घ, ढ, ध, ज, ब, ग, ड, द।
8. इक् - इ, उ, ऋ, लृ।
9. इच् - इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ।
10. उक् - उ, ऋ, लृ।

Name- Arti Kazal

Class → B.A. I

Sub ⇒ Political science

College ⇒ R.C.A Girl P.G. College

Teacher's - Name

Swati Parek

Topic => विचारों की स्वतंत्रता

Date / /
Page No.

विचारो की स्वतन्त्रता

विचारो को व्यक्त करने के जितने भी माध्यम है। वे अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता मे प्रेस की स्वतन्त्रता भी सम्मिलित है। विचारो का स्वतन्त्र प्रसारण ही इस स्वतन्त्रता का मुख्य उद्देश्य है। यह भाषण द्वारा या समाचार पत्रो द्वारा ही किया जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता मे किसी किसी व्यक्ति के विचारो को किसी ऐसे माध्यम से अभिव्यक्त करना सम्मिलित है। जिससे वह दूसरे तक उन्हे संप्रेषित (communicate) कर सके। चिन्हो तथा ऐसी ही अन्य क्रियाओ द्वारा किसी व्यक्ति के विचारो की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता की स्वतन्त्रता जरूरी है राजनीति और राजनेता का संबंध समाज के सभी वर्गो से है देश के विकास के लिए जनता को भोजन और विचार की अभिव्यक्ति की सफलता जरूरी है दुनीया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत मे रोटी कपड़ा मकान के साथ-साथ विचाराभिव्यक्ति की आजादी का भी विकास, व्यक्ति स्वतन्त्रता से भी ऊपर है सौन्दर्य रखता के लिए सभी वर्गो का सहयोग और आत्मानुशासन जरूरी है यह बात मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष डा. सीताशरण शर्मा ने बुधवार को प्रेस क्लब द्वारा आयोजित कार्यशाला मे कही एक निजि होटल मे राजनीति से जुड़े कार्यक्रम मे विधान सभा अध्यक्ष बोल रहे थे। कार्यक्रम मे जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने कहा आज की अर्थ प्रधान दुनीया मे मिडिया बदल आया है वही है इसका तात्पर्य यह है की

Date / /
Page No.

राजनीति के सिर्फ राजनीतिज्ञ के लिए की जाने लगी है
अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता किसी व्यक्ति या समुदाय द्वारा अपने मत और विचारों को बिना प्रतिशोध, अभिवचन या दंड के डर के प्रकट कर पाने की स्थिति होती है इस स्वतन्त्रता को सरकारें जनसंचार कम्पनियाँ और अन्य संस्थाएँ बाधित कर सकती है
मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 19 में प्रयुक्त अभिव्यक्ति शब्द इसके क्षेत्र को बहुत विस्तृत कर देता है। विचारों के व्यक्त करने के जितने भी माध्यम हैं वे अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता में प्रेस की स्वतन्त्रता भी सम्मिलित है।
विचारों का स्वतन्त्रता प्रसारण ही इस स्वतन्त्रता का मुख्य उद्देश्य है यह भाषण द्वारा या समाचार-पत्रों द्वारा किया जा सकता है।
अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में किसी व्यक्ति के विचारों को किसी ऐसे माध्यम से अभिव्यक्त करना सम्मिलित है जिससे वह दूसरों तक उन्हें संप्रेषित communicate कर सके। इस प्रकार इनके संकेतों अंकों चिन्हों तथा ऐसी ही अन्य

Date / /
Page No.

क्रियाओं द्वारा किसी व्यक्ति के विचारों की अभिव्यक्ति सम्मिलित है।
विचार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का इतिहास बहुत पुराना है और प्राचीन काल से ही इस पर बहुत बहस होती रही है। उदारवाद के अंदर यह माना जाता है कि विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए और इस पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए और इस पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं। जिनका मानना है कि विचार अभिव्यक्ति पर पाबंदी होनी चाहिए।
जॉन मिल्टन और जे. एस. मिल ने विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन किया है। जॉन मिल्टन का यह मानना था कि अगर सभी बातों पर खुलकर बहस होती है तो सच अपने आप सामने आ जाता है। सच्चाई के अन्दर तो ऐसी ताकत होती है कि झूठ को वह अपने आप पराजित कर देता है। इसीलिए से जॉन मिल्टन ने भी जे. एस. की तरह विचार अभिव्यक्ति का पूरा समर्थन किया है लेकिन भारतीय संविधान वाक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति - स्वातंत्र्य की प्रत्याभूति देता है। किन्तु इस स्वतंत्रता पर राज्य द्वारा युक्तियुक्त निर्बन्धन इन बातों के संबंध में लगाए जा सकते हैं (क) मानहानि (ख) न्यायलय - अवमान (ग) शिष्टाचार या सदाचार या (घ) राज्य की सुरक्षा (ङ) विदेशी के राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध (च) अपराध उद्दीपन (छ) लोक व्यवस्था (ज) भारत की प्रभुता और अखंडता (16 वां संविधान संशोधन 1963

से जोड़ा गया।
प्रत्येक व्यक्ति दिए गए वातावरण में ज्ञान अब धारणाओं, सिद्धांतों को विकसित करके और उनका आकलन करके मानसिक महारत हासिल करने का प्रयास करता है। यह मानसिक महारत संतोष की भावना को बढ़ल देती है। और असहायता की भावना को बदल देती है। व्यक्ति के अहंकार को सहज करने के साथ ही नया ज्ञान और विचार भविष्य के लिए एक आशा भी लाते हैं।
विचार की स्वतंत्रता धर्म की भारत में हर देशवासी को अपने विचार व्यक्त करने की आजादी है विचार व्यक्त करने का जो भी माध्यम लोग पाते हैं अपने विचार व्यक्त करने हैं ट्विटर, फेसबुक, सहित विभिन्न संचार माध्यमों पर कट्टर विचारों की भरमार है जो देश के सबसे बड़े समुदाय हिन्दू समुदाय को उत्तेजित करने के लिए है खासकर नौजवानों को सारे विचारों का मकसद एक ही है। की हिन्दू एक जुट हो २०१४ के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के परन्तु बार-बार में ऐसा होगा नहीं तो देश की

ये राजनीति से सिकुड़ते कार्यक्रम मे विधान सभा अध्यक्ष बोल रहे थे कार्यक्रम मे जनसम्पर्क मे हस्तक्षेप के बिना राय रखने की स्वतंत्रता शामिल है।

ऐसे मे यह हैरान होगा कि कैसे द स्टेट ऑफ आर्टिस्टिक फ्रीडम रिपोर्ट के अनुसार भारत मे २०१७ मे सबसे अधिक फिल्मो को सेंसर करने वाले देशो की सूची मे सबसे ऊपर पर रहने के लिए तुर्की चीन लेबनान फ्रांस और अपने पड़ोसी पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय अभिव्यक्ति की वकालत करने वाले फ्रीम्यूज नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने एक अध्ययन मे पाया है कि भारत मे कला की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता काफी हद तक संकुचित हो गई है। इसके अनुसार २०१७ मे फिल्म सेंसरशिप मामलो के संयुक्त अरब अमीरात दूसरे स्थान पर और तुर्की प्रतिशत मामलो के साथ तीसरे स्थान पर था ऐसे मे वर्ष २०२० मे आई रिपोर्ट के अनुसार भी भारत सातवे स्थान पर था फिर भी यह अच्छी स्थिति नही है।

19 वी सदी के सबसे प्रभावशाली दार्शनिको और बुद्धिजीवियो मे से एक जॉन स्टुअर्ट मिल से पहली बार और शायद अभी भी सबसे कुशल तरीके को

आरक्षादी मुक्त भाषण और विचार की रक्षा की है। अपनी पुस्तक ऑन लिबर्टी मे वह लिखते है

भारत की व्यापक स्वतंत्रता न केवल व्यक्तिगत रहुओं के लिए बल्कि एक समृद्ध समाज के लिए एक पूर्व शर्त है। स्वतंत्रता अभिव्यक्ति के बिना मानव जाति को उन विचारों से वंचित रहना पड़ता है जिन्होंने इसके विकास में योगदान दिया होगा। दूर क्या जाना भारत में सदगुरु कबीर और गोस्वामी तुलसी दास जी की वाणी में जो खुलापन नयापन और तर्कशीलता पायी जाती है यदि इस सदी में लिखते तो लिख न पाते। कंकर-पाथर जोड़ी के मस्जिद लिया बनाय जेसे दोहे या फिर पाथर मिले तो धार्मिक विचारों को आहत कर जाते है।

संविधान का अनुच्छेद हमें बोलने की स्वतंत्रता देता है। परन्तु भारतीय संविधान अनुच्छेद 19 में खण्ड विधायकों को निम्नलिखित शीर्षकों के तहत मुक्त भाषण पर कुछ प्रतिबंध लगाने में सक्षम भी करता है।

बीच नफरत जरूर फैलेगी ये देश आजादी के बाद से ही अब तक सिर्फ राजनीति के कारण विभिन्न समूहों समुदायों और जातियों में बंट चुका है देश में सब पार्टियां एक दूसरे को कम्युनल कहती है परन्तु सच्चाई यह है की हर पार्टी किसी न किसी जाति की या कम्युनल फोर्सेज से जुड़ी हुई है जो उसकी कट्टर समर्थक है। ये देश स्वार्थ सिद्धि वाली राजनीति के कारण इतने जाति सम्प्रदायों और समूहों में बंट चुका है की किसी एक पार्टी को सब मिल के वोट दे ही नहीं सकते इसलिए कई पार्टियां मिलकर देश और कई प्रदेशों में सरकार चला रही है ये परिदृश्य अभी आगे भी चलेगा बीजेपी के लिए देश की सत्ता पाने का रास्ता आज भी कठिन दिख रहा है देश के सभी समुदायों और समूहों को अपना समर्थक बनाये बिना ये सम्भव नहीं है मीडिया पर जो लोग कट्टर हिन्दू विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं वे बीजेपी को लाभ कम नुकसान ज्यादा पहुंचा रहे हैं २०१४ के चुनावी नतीजे इसकी पुष्टि करेंगे मोदी जी के विकासवादी विचारधारा के मैं जो समर्थक हूँ बीजेपी को उनकी विकासवादी विचारधारा का प्रचार प्रसार करना चाहिए ताकि समाज के इस तरह के विचार

भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मानवाधिकार की सार्वभौम घोषणा (यूडी एच आर) में जो नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा आदि सीसीपीआर) के सदस्य राज्यों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है विचार की स्वतन्त्रता अनुच्छेद 18 के तहत सूचीबद्ध

है। सभी को विचार विवेक और धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है: इस अधिकार मे अपने धर्म या विश्वास को बदलने की स्वतंत्रता और अकेले या दूसरो के साथ समुदाय मे और सार्वजनिक या निजी रूप से अपने धर्म या शिक्षण अभ्यास पूजा और पालन मे विश्वास को प्रकट करने की स्वतंत्रता शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति कहा गया कि यह सोचा विवेक धर्म या प्रकट धर्म या आस्था की इस आजादी से विश्वास की स्वतन्त्रता अलग करता है यह विचार और विवेक की स्वतंत्रता पर या स्वतंत्रता पर किसी भी सीमाओं की अनुमति नहीं देता किसी की पसंद का धर्म या विश्वास रखना या अपनाना इस स्वतन्त्रताओं के बिना शर्त संरक्षित किया जाता है। इसी तरह यूडी एच आर का अनुच्छेद 19 गारंटी देता है कि हर किसी को राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है इस अधिकार मे हस्तक्षेप के बिना राय रखने